विजयवर्गीय (वैश्य) राजसेवक परिषद, जयपुर
परिषद एक परिचय

शुभारंभ

स्वामी श्री रामचरण जी महाराज ने मानव सेवा हेतु जो संदेश जन–जन तक पहुंचाने की प्रेरणा एवं समाज की सेवा भावना के उद्देश्य से विजयवर्गीय बन्धुओं की विभिन्न राजकीय कार्यालयों/अन्य संस्थाओं में दिन प्रतिदिन की आने वाली निजी समस्याओं के त्वरित निस्तारण की दृष्टि से सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के मुख्य स्तम्भ शासन सचिवालय, जयपुर में कार्यरत कार्मिकों को एकत्रित कर सितम्बर, 2003 में **''विजयवर्गीय राजसेवक परिवार'',** शासन सचिवालय, जयपुर का गठन शासन सचिवालय स्तर पर किया गया था।

द्वितीय चरण

जयपुर में विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत अन्य कार्मिकों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुये इसका विस्तार जयपुर में केन्द्र/राज्य सरकार/बैंक/बीमा/बहुराष्ट्रीय कम्पनी एवं अन्य सेवाओं में कार्यरत सभी कार्मिकों को एकजुट करके उनका संगठन बनाया जाकर 25 जनवरी, 2004 को महेश नगर स्थित विजयवर्गीय धर्मशाला में आम सभा के रूप में आयोजित बैठक में **विजयवर्गीय राजसेवक परिषद्, जयपुर शहर** का गठन किया जाकर श्री नन्दकिशोर विजय को संयोजक बनाया गया।

प्रथम कार्यकारिणी:

तत्पश्चात 14 मार्च, 2004 को जयपुर शहर के समस्त राजसेवकों का प्रथम होली मिलन समारोह आम सभा के रूप में विजयवर्गीय धर्मशाला, महेश नगर, जयपुर पर आयोजित किया गया। समारोह में परिषद के संयोजक एवं संस्थापक अध्यक्ष के रूप में श्री नन्दकिशोर विजय द्वारा परिषद के प्रथम मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त आईएएसी श्री एस.के.विजय एवं प्रथम महासचिव श्री राजेन्द्र प्रसाद विजय (नारायणपुर निवासी) को मनोनीत करते हुये अपनी प्रथम कार्यकारिणी घोषित की गई।

अध्यक्षीय प्रणाली के अन्तर्गत चुनाव:

परिषद के गठन से प्रत्येक दो वर्ष में तथा वर्तमान विधान संशोधन के अनुसार तीन वर्ष में अध्यक्ष का निर्वाचन किये जाने की प्रक्रिया है। अब तक सम्पन्न अध्यक्ष के चुनाव निर्विरोध रहे है। वर्तमान में सत्र 2018–2021 हेतु परिषद के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद विजयवर्गीय (नारायणपुर निवासी) है। उल्लेखनीय है कि ये लगातार तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये है।

वर्तमान में परिषद के मुख्य संरक्षक श्री लल्लूलाल विजयवर्गीय एवं संरक्षक श्री नन्दकिशोर विजय (संस्थापक अध्यक्ष) को मनोनीत किया हुआ है।

प्रधान कार्यालय:

परिषद का प्रधान कार्यालय ''संगम'' सामुदायिक केन्द्र एवं छात्रावास भवन, सेक्टर–26 प्रतापनगर, सांगानेर जयपुर है।

परिषद/समाज हित किये जाने वाले कार्य:

परिषद् ने अपने अब तक के कार्यकाल में समाज के सभी बन्धुओं को जोड़ने का भरपूर प्रयास किया है। राजसेवकों के अतिरिक्त समाज के सभी बन्धुओं को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से –

1–प्रतिवर्ष सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों, प्रतिभावान विद्यार्थियों/अभ्यार्थियों को दीपावली मिलन समारोह के अवसर पर सम्मानित किया जाता है।

2–समाज के प्रत्येक बन्धु की विभिन्न कार्यालयों में आने वाली समस्याओं के त्वरित निस्तारण करने का संकल्प परिषद की योजना में शामिल किया गया है, जिसके लिये परिषद के सभी सदस्यों को ''सम्पर्क'' डायरेक्टरी का भी प्रकाशन किया गया है।

3–समय समय पर परिषद की पारिवारिक निर्देशिका का प्रकाशन किया जाता रहा है जिसमें परिषद सदस्यों के परिवार की सम्पूर्ण जानकारी एवं उपयोगी सामग्री का समावेश किया जाता है।

5– वर्तमान में परिषद के लगभग 628 सक्रिय सदस्य है।

6– जयपुर में निवासित सभी सेवानिवृत्त राजसेवकों का सामूहिक रूप से सम्मान किया गया।

7–सभी चार्टेड एकाउन्टेट्स, कर सलाहकार एवं एडवोकेट्स का भी सामूहिक सम्मान कर एक नया आयाम स्थापित किया ।

8–परिषद के माध्यम से अन्य निम्न संस्थायें परिषद सदस्यों एवं सम्पूर्ण विजयवर्गीय समाज के हित में कार्यरत है:

क– विजयवर्गीय (वैश्य) राजसेवक हितकारी सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर

ख– श्रीमती सम्पत्ति देवी विजयवर्गीय राजसेवक परिषद सर्वजन हितकारी स्थाई कोष न्यास

ग–''संगम'' विजयवर्गीय सामुदायिक केन्द्र एवं छात्रावास भवन, प्रतापनगर, जयपुर। जो कि लगभग 3500 वर्गगज क्षेत्र में स्थापित है।

घ– विजयवर्गीय विद्यार्थियों के भविष्य पर चिंतन अन्तर्गत ''प्रयास'' करियर निर्देशन की अभिनव योजना ।